शुभकामनाएँ

विदाई

शीतल मंद हवा का झोंका लेकर आई पुरवाई,
समय की घड़ियाँ बीती, आई विदाई सुखदाई।
यद्यपि है यह सुखदाई, पर रास न हमको आई,
क्योंकि छोटे से इस नाम में छिपी है बड़ी जुदाई।
परिवर्तन का नियम अटल है, कैसे स्वीकारे ये सच्चाई,
वर्तमान के भूत होने की बात बड़ी है दुखदायी 😢।
नाम आपका बड़ा सार्थक, है सबके मन भाता,
नूतनता की ओर अग्रसर, पुरातनता को छोड़ता जाता।
नवीनता की इस आभा से, पुलकित हुआ हृदय हमारा,
मार्ग प्रशस्त किया है, पग-पग पर दिया सहारा।
बन कर सच्ची ढाल हमारी, हर मुश्किल से हमें उबारा,
आप यहाँ से जब जाएँगी, याद हमें तब भी आएँगी।
इतना है विश्वास हमें कि भूल हमें न पाएँगी,
सेवा निवृत्ति के इस अवसर पर, हम सबकी ये कामना,
हँसती-मुस्कुराती रहें सदा ही, हम सबकी ये भावना।

अर्चना

प्रिय मैम,
'ज्ञान भारती' के प्रति आपके जज़्बे और जुनून को नमन ..... आप सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें ....

मेरी प्यारी हिन्दी अध्यापिका

चेहरा आपका गहराईयों को मापता
गौरवन्वित है हम सभी क्या हुनर आपका
सरस्वती जिह्वा पर लक्ष्मी माँ सी ममता मयी है।
समय आने पर रौद्र रूप भी वही है।

अनुशासन पालक हम सभी आपके बच्चे
नव नूतनमयी रचनात्मकता पूर्ण शिक्षिका क्या हम आपको लगते है अच्छे
आपके कार्य संपादन आपकी उपलब्धियाँ अचरज मे डाल देती है।
हमारी शिक्षिका सचमुच एक अजूबा जैसी है।

मैं आपको सिर्फ इस वर्ष ही जान पाई हूँ।
मेरा सौभाग्य है कि मैं आपको करीब से जान पाई हूँ।
जन्मी है हमारी शिक्षिका 7 मार्च, 1959 में
हर वर्ष बढ़ती रहे रचनात्मक शक्तियाँ आप में।

छोटे-बाल प्यारे-प्यारे गाल, व्यक्तित्व है आपका बहुत कमाल
चश्मा सिर पर, बुलंद आवाज़, मात न दे सके कोई आपकी तीव्र चाल
नारियल की भाँति स्वभाव से परिपूर्ण मेरी अध्यापिका
आपकी शिक्षाप्रद कहानियों से हमने बहुत कुछ सीखा।

Jolly
Since 1944
JUST FIT & FORGET

बहुत खूब के कार्यक्रम मे आप गयी है, आप वाह-वाह के काबिल है।
हम नदी मे इधर-उधर बह रहे थे आप हमारा साहिल है।
कठिन परिस्थितियों ने आपको ब्रज समान बनाया है।
आप मत जाइये मैम हमने स्कूल मे दूसरी माँ को पाया है।

जानी-मानी हस्तियों से आप चित-परिचित है।
हमारे हृदय में हर बात आपकी अंकित है।
पढ़ने मे हम आपके साथ आनंद उठाते है।
ऐसा लगता है शिक्षिकायें हमारे अंतरमन को जगाते है।

स्कूल का गाना जब भी बजेगा, अश्रु धारा बहती जायेगी।
हृदय में हमें अगर खोजे तो हमको वहाँ पर पायेगी।
आप हमको हँसना भी सिखाती है।
फिर क्यों मैम आप हमें रोता छोड़कर जाना चाहती है।

आपकी जगह कोई और ना ले पाया तो।
हमें उनका अध्ययन-पाठन का तरीका ना भाया तो।
इस भय से हृदय काप सा उठता है।
आपके विषय में सोचकर मेरी भावनाओं का सैलाब ना रुकता है।

आपके बगैर हमारा मेज सूना होगा।
सूनी होगी चाहते मन सूना सा होगा।
बसंत मे जैसे पतझड़ का समा होगा
पढ़ते-पढ़ते भी मेरा मन आपमें रमा होगा।

फुर्तीली सी चाय सादगी करे बेहाय।
मन करता है अपने मन से कितने करूँ स्वाय?
आपने सबको एक समान माना है।
कितनी जान से भरा आप का गाना है।

सबसे अलग एकान्तप्रिय आप गहराईयों से समा जाती है।
हमें असहाय छोड़कर आप कहाँ जाती है?
मैं तो अभी-अभी ही आपको जान पाई थी
कैसी ये जुदाई कैसी विदाई ये खबर हमको न भायी थी।

खैर जब आपने हमें छोड़ने का निश्चय कर ही लिया।
हम कैसे रोके आपको इस जहर को भी हमने पीया लिया।
इस गम को हम पी जायेगें।
लेकिन आप एक बार कह दे कि हम आपको बहुत
याद आयेगें।